



केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तियों की प्रविष्टि करे।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

Ex.No.74181

SUNITA SHRIVASTAVA
V.No. - 741804

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 1 का उत्तर -

(अ) इस्पात से,

(ब) काँच,

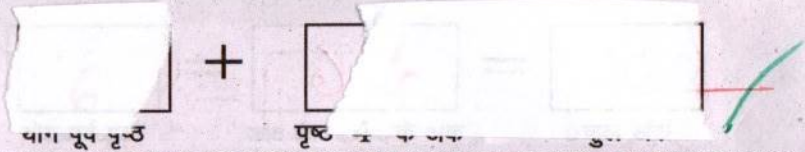
(ग) बॉट में,

(द) तीन,

(इ) वोल्टमीटर,

(फ) प्रायतः।

B
S
E



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (2) का उत्तर -

B
S
E

(अ) तीन ✓

(ब) भू-परिवर्तन ✓

(ग) त्रिभुज ✓

(द) च ✓

(इ) अकार्बनिक ✓

(फ) औषधि ✓

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (3) का उत्तर -

(अ) असत्य ✓

(ब) सत्य ✓

(ग) सत्य ✓

(द) सत्य ✓

(इ) असत्य ✓

(फ) सत्य ✓

B
S
E



प्रश्न क्र

प्रश्न क्रमांक - (5) का उत्तर -

एक वाक्य में उत्तर -

(अ) उत्प्रेरक विधः - कुछ पदार्थ उत्प्रेरकों की क्रियाशीलता को समाप्त कर देता है। उत्प्रेरक विध कहलाता है।

(ब) चुम्बकीय क्षेत्रः - किसी चुम्बक के चारों ओर जितनी क्षेत्र तक चुम्बक का प्रभाव अनुभव किया जाता है। उसे चुम्बक के चुम्बकीय क्षेत्र कहते हैं।

(ग) विद्युत धाँसी में प्रभावित चुम्बकत्व होता है। विद्युत धाँसी में विद्युत चुम्बक का उपयोग होता है।

(द) विद्युत फ्यूज - विद्युत धारा अधिक मात्रा में प्रवाहित होती है। तो फ्यूज तार जलकर या पिघलकर निचे गिर जाता है। जिससे घरों में आग लगने से बच जाती है। परिपथ का एक लक्ष्यमक अवयव है। जो एक नियतक मात्रा से अधिक धारा बहने पर परिपथ को तोड़ देता है।

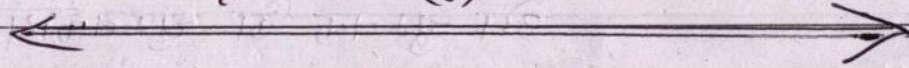
B
S
E

प्रश्न क्र.

(इ) आयतनी विश्लेषण के उपयोग - ① तुल्यताकी भावना ज्ञात करना।
② मिश्रण की प्रतिशत रचना ज्ञात करना।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - (6) का उत्तर -



प्रकाश - लेंडलेखण के निम्न लिखित महत्व है -

① वायुमण्डलीय प्रदूषण का शुद्धीकरण :- वायुमण्डल के द्वारा भूमि अधिक गर्म

हो जाता है। और वायु के कारण प्रदूषण भी का शुद्धीकरण हो जाता है। जिससे प्रकाश - लेंडलेखण अच्छा हो जाता है।

② पृथ्वी का ताप नियन्त्रण में :- पृथ्वी का ताप अधिक होने से भूमि धरातल अत्यधिक

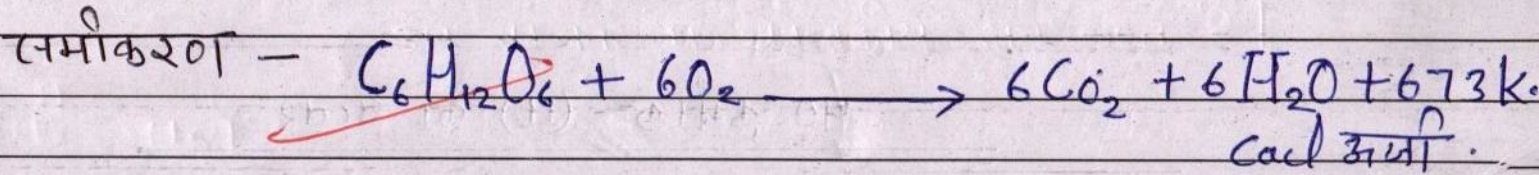
गर्म हो जाता है। जिससे प्रकाश - लेंडलेखण की क्रिया अच्छा हो जाता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (7) का उत्तर :-

श्वसन :- श्वसन वह जैविक रासायनिक क्रिया है। जिसमें कोशिकाओं में लक्षित जटिल कार्बनिक पदार्थ का ऑक्सीकरण के कुलर-रूप कार्बनडाइ-ऑक्साइड व जल बनता है। और ऊर्जा मुक्त होती है।

B
S
E



प्रश्न क्रमांक - (8) का उत्तर :-

विद्युत धर्ती के उपयोग :- ① विद्युत धर्ती का उपयोग भारी वस्तु उठान में ट्रेनों में होता है।

- ② चुंबक के अन्य कुंडला के अन्य वस्तु के साथ मिश्रण में ल प्रयोग कर सकते हैं।
- ③ विद्युत मोटर, विद्युत धर्ती आदि।

प्रश्न क्र.

प्र०- कृमांक (10) का उत्तर -

प्रतिशत $\%$ - पदार्थ के 100 ग्राम विलयनों में पदार्थों की ग्रामों में मात्रा प्रतिशत के बराबर होता है।

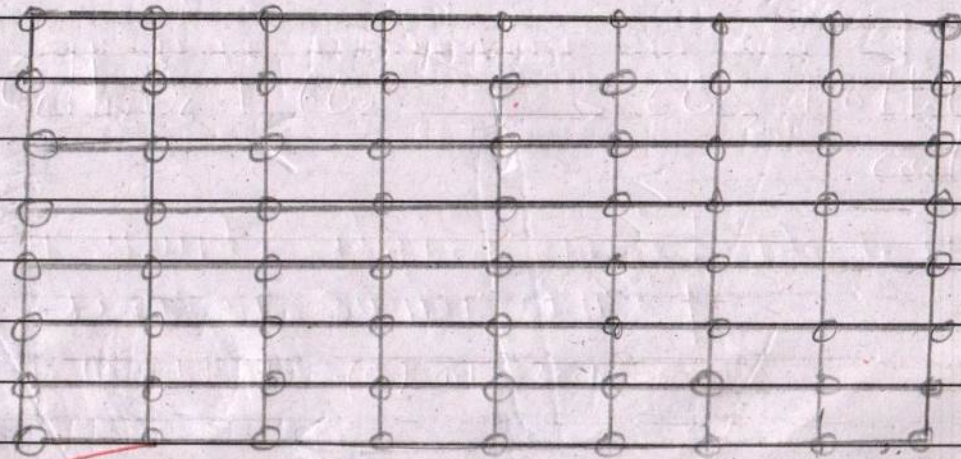
प्र० कृमांक - (11) का उत्तर -

उत्प्रेरक $\%$ - किसी अभिक्रिया की गति को तेज या कम करने में सहायक होता है। या उच्च ताप पर होने वाली अभिक्रिया की गति को कम ताप पर सम्पन्न करने में सहायक होता है।

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक - (12) का उत्तर -

पाँचे लगाने के आयताकार पद्धति :- इस प्रकार के पद्धति में पाँचे एक कतार में दूसरे कतार की नीच की दूरी रिक्त नहीं होती है।



चित्र - आयताकार पद्धति ।

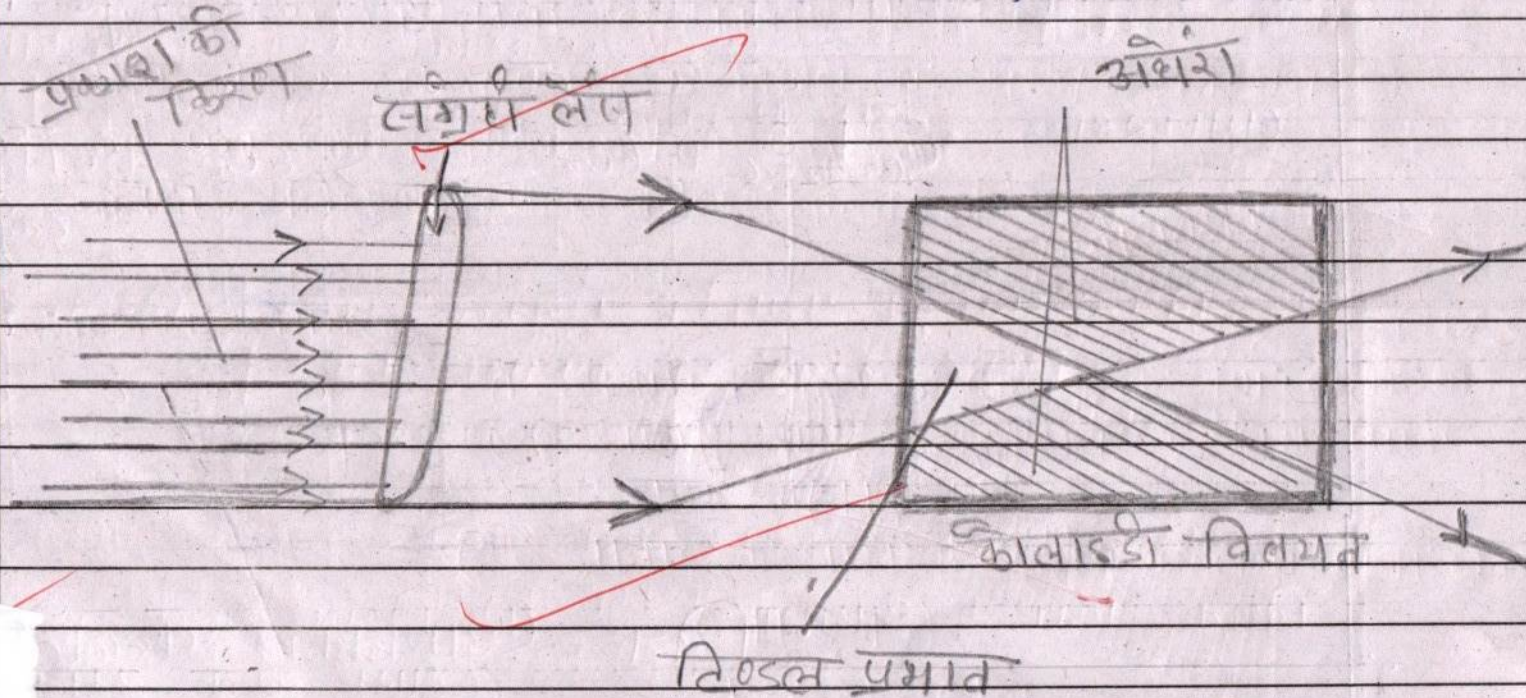
B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. (15) का उत्तर -

टिण्डल प्रभाव :- जब प्रकाश पुंज किसी कैलाइडी विलयन में लै होकर जाता है तो उसका मार्ग प्रकाशित हो जाती है। टिण्डल प्रभाव कहलाता है।

B
S
E

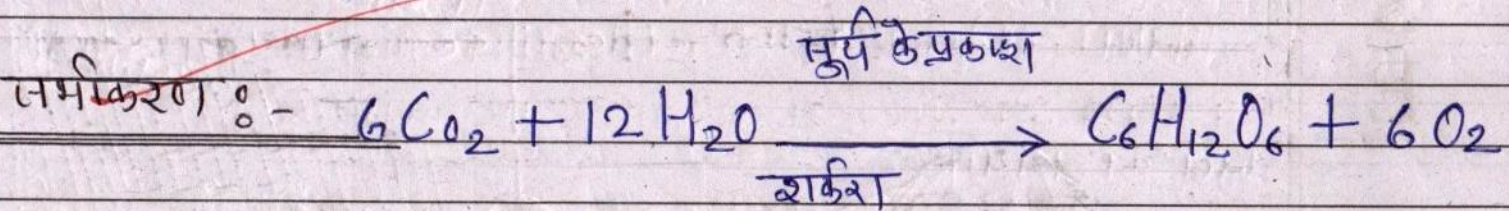


चित्र - टिण्डल प्रभाव।

प्रश्न क्र. 5

प्र० क्रमांक - (17) का उत्तर :-

प्रकाश - लेंश्लेपण :- प्रकाश लेंश्लेपण वह जैविक रासायनिक क्रिया है जिसमें पौधे वायुमण्डल से कार्बन-डाई-ऑक्साइड एवं भूमि से जल प्राप्त कर सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में क्लोरोफिल की सहायता से कार्बोहाइड्रेट अथवा शर्करा का निर्माण करता है। और जल एवं ऑक्सीजन गैस मुक्त होते हैं।

B
S
E

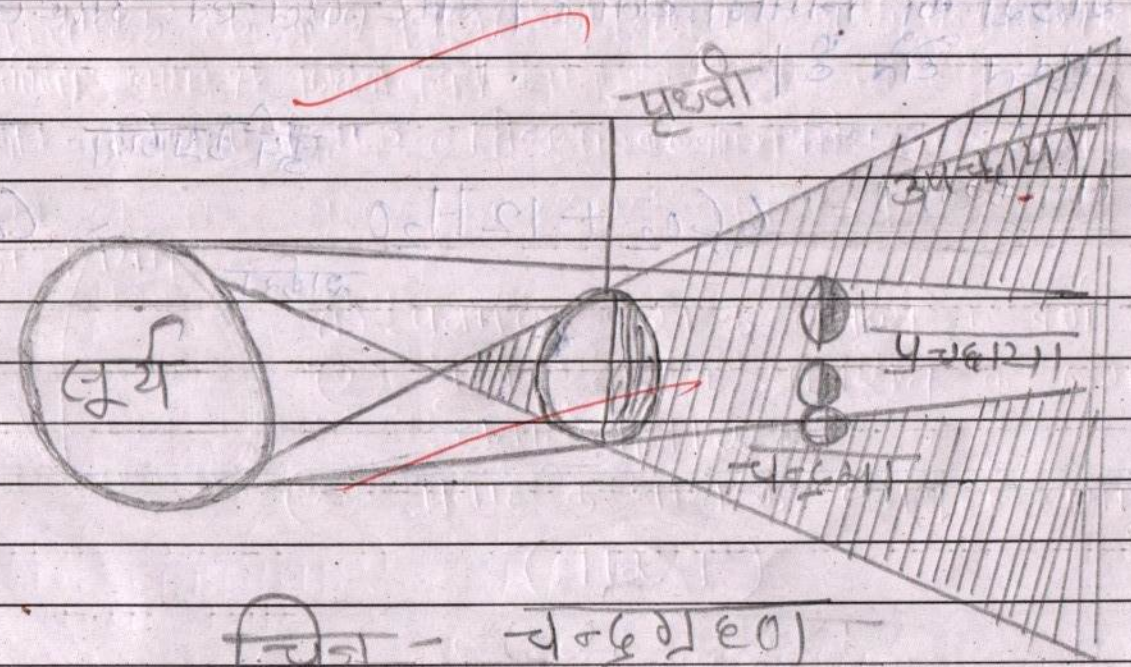
[Redacted text]

प्रश्न क्र.

प्र० कुमांक - (18) का उत्तर :-

चन्द्रग्रहण :- जब पृथ्वी सूर्य और चन्द्रमा के बीच एक सीध में आ जाता है तो चन्द्रग्रहण लगता है। चन्द्रग्रहण हमेशा पूर्णिमा को ही लगता है।

B
S
E



चित्र - चन्द्रग्रहण

प्रश्न 6.

प्रश्न क्रमांक - (20) का उत्तर :-

गृहवाटिका लगान के निम्न उद्देश्य हैं -

- ① ताजा सब्जी, एवं फल, फूल प्राप्त होते हैं।
- ② हरी सब्जी एवं बहुत से विटामिन प्राप्त होते हैं।
- ③ शारीरिक प्रेम करने से व्यक्ति के मन स्वस्थ रहता है।
- ④ घर की आवश्यकताओं को पूर्ण करता है।

B
S
E



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (19) का उत्तर -

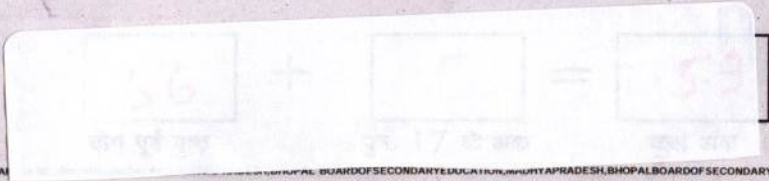
विद्युत् धारा का ऊष्मीय प्रभाव :- जब किसी विद्युत् प
प्रतिरोध युक्त चालक में से
विद्युत् धारा प्रवाहित की जाती है तो वह गर्म हो जाता है।
अर्थात् उसका ताप बढ़ जाता है। विद्युत् धारा के प्रवाह से
किसी चालक के ताप बढ़ने की घटना को विद्युत् धारा का
ऊष्मीय प्रभाव कहते हैं।
जैसे - विद्युत् बल्ब, विद्युत् बल्ब, विद्युत् इस्त्री।

जूल का नियम :-

- ① प्रवाहित धारा के समर्थी के बर्ण समानुपाती होता है। (H ∝ I²)
- ② चालक तार के प्रतिरोध के समानुपाती होता है। (H ∝ R)
- ③ प्रवाह के धारा के समय के समानुपाती होता है। (H ∝ T)

④ इन तीनों के आधार पर -

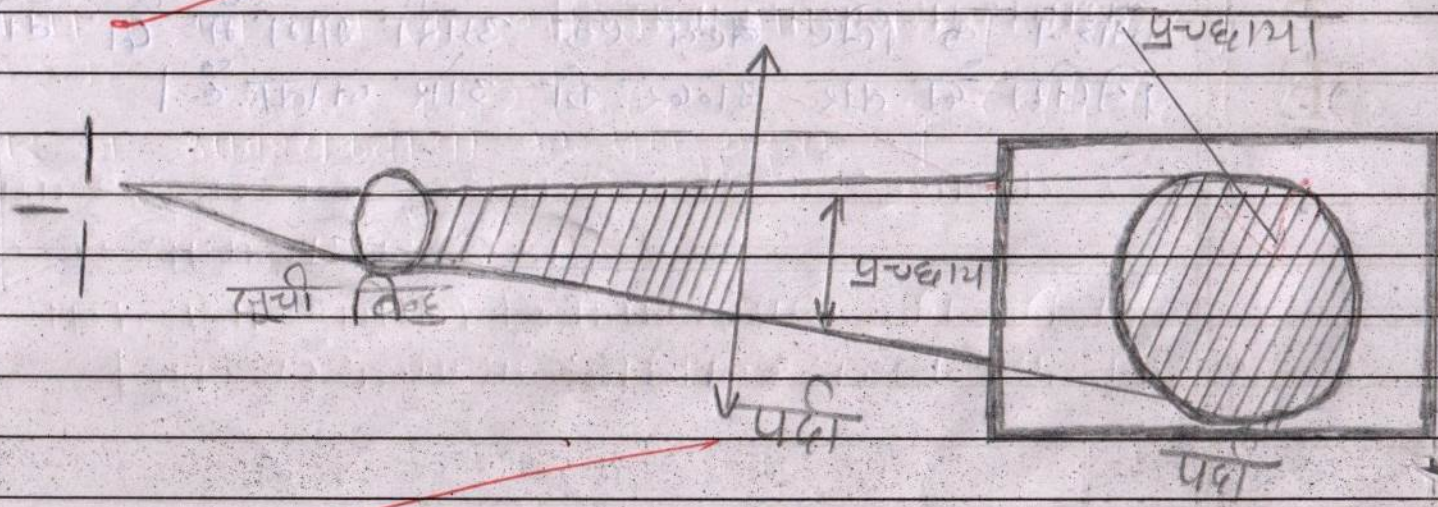
$$H = \frac{1}{J} \times C^2 R T$$



प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक - (14) का उत्तर -

छाया :- जब प्रकाश कि किरण किसी अपारदर्शी वस्तु पर पड़ती है तो वह उल्टे उभार-पार नहीं जा पाता। इसके फलस्वरूप किसी अपारदर्शी वस्तु पर पड़ती है तो उल्टे पीछे एक अन्धेरा क्षेत्र बन जाता है। उसे छाया या प्रच्छाया कहते हैं।



चित्र - प्रच्छाया

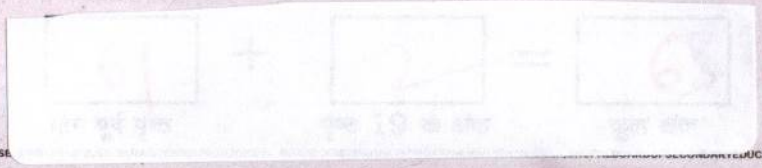
B
S
E

प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक - (9) का उत्तर -

विद्युत् बल्ब - विद्युत् बल्ब कांच का बना एक मिश्रित धातु होता है जिसमें वायु निकालकर निर्वात बनाया जाता है। अथवा नाइट्रोजन एवं आर्गन निष्कृष्ट गैस भर दिये जाते हैं। जिसमें बल्बों को अधिक दिनों तक उपयोग कर सकते हैं। विद्युत् बल्ब के एक पीतल एक एक टोपी होती है। जिसमें दो पिन लगे होते हैं। होल्डर को जोड़ने के लिए बल्ब एक ऊपरी भाग में दो टोके लगे होते हैं। जिसमें दो तार मंवर की ओर जाता है।

B
S
E



प्रश्न

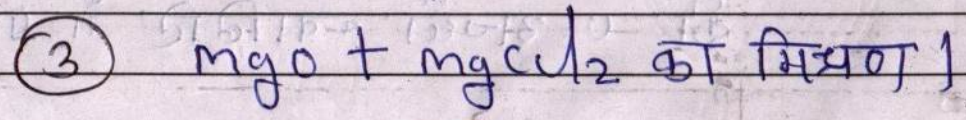
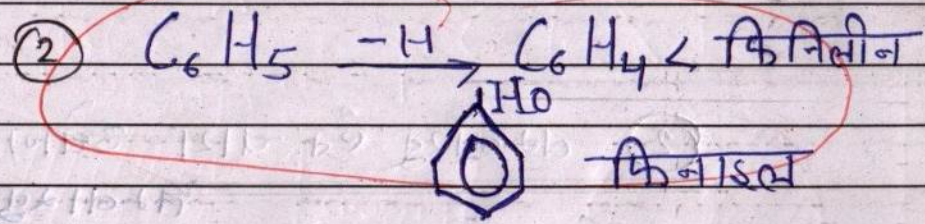
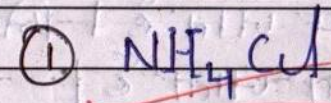
B
S
E

प्रश्न क्रमांक - (16) का उत्तर :-

अकार्बनिक यौगिक :-

- ① अमोनियम क्लोराइड ।
- ② नेपथलीन ।
- ③ लौरेल सिमेन्ट ।

रासायनिक सूत्र :-





प्रश्न क्र.

प्र० क्रमांक - (13) का उत्तर -

जीवाणुओं का महत्व -

① चमड़ा उद्योग :- चमड़ा उद्योग में उपरिचरि कुछ प्रमुख एंटीबायोटिक तथा कुछ प्रमुख एन्जाइमों को प्राप्त किये जाते हैं। जिनसे विमारियों को अच्छा करने में प्रयोग में लाया जाता है।

② तम्बाखू एवं चाय उद्योग :- इन दोनों उद्योगों में चाय तथा तम्बाखू की पत्तियों को छुस्काकर जीवाणुओं को क्लिडित कराया जाता है। जिनसे चाय तथा तम्बाखू की अच्छी स्वास्ति में प्राप्त हो सके।

③ रेशम की रेटिंग :- ये कुछ विभिन्न पौधों के तनों से रेशमों को निकालना रेटिंग कहलाता है। जैसे - रजत, अलसी, लन इत्यादि के पौधों को, पानी

B
S
E

